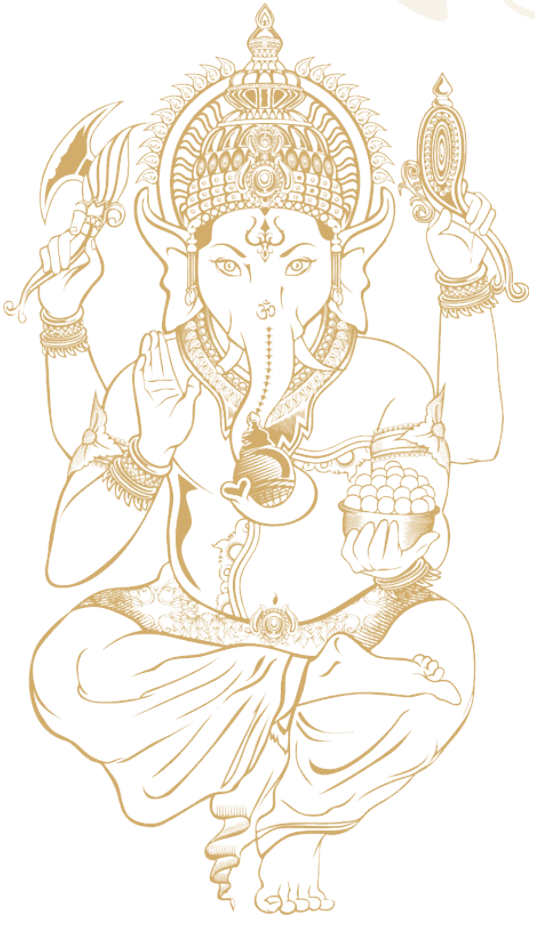

Piyush

24 Jun 1996

06:47 AM

Sangli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121318107

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/06/1996**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**06:47:00 घंटे**
इष्ट	01:57:25 घटी
स्थान	**Sangli**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	16:55:00 उत्तर
रेखांश	74:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:15:28 घंटे
वेलान्तर	-00:02:25 घंटे
साम्पातिक काल	00:25:23 घंटे
सूर्योदय	06:00:02 घंटे
सूर्यास्त	19:07:52 घंटे
दिनमान	13:07:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	09:00:32 मिथुन
लग्न के अंश	18:48:11 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्यतिपात
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:48:11	323:54:59	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	09:00:32	00:57:14	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	सम राशि
चंद्र			कन्या	07:02:52	12:23:49	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	मित्र राशि
मंगल			वृष	14:19:04	00:42:17	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध			वृष	20:38:39	01:41:23	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	20:16:30	00:07:24	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र	व		वृष	19:18:24	00:19:27	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि			मीन	13:04:27	00:02:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	19:40:55	00:00:03	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	19:40:55	00:00:03	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	09:57:54	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	03:11:54	00:01:26	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:05:46	00:01:20	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मीन	13:06:03	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:32

लग्न-चलित

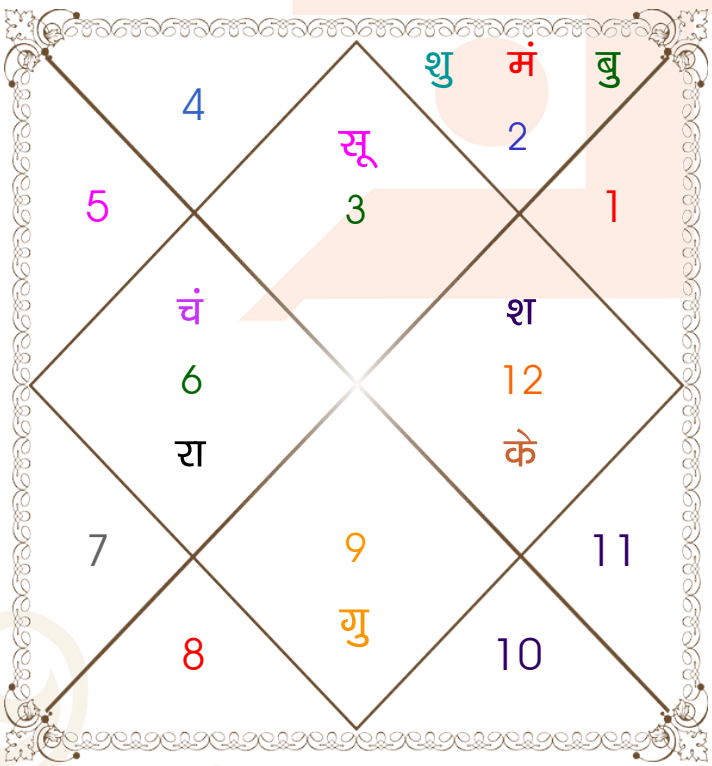

चन्द्र कुंडली

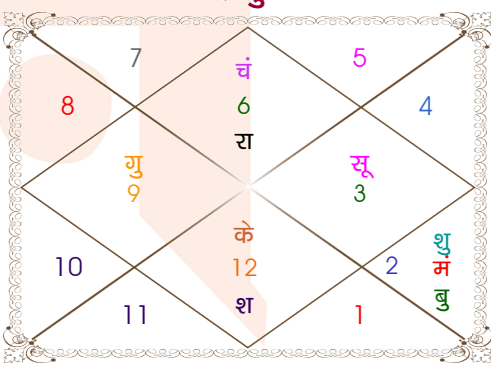

नवमांश कुंडली

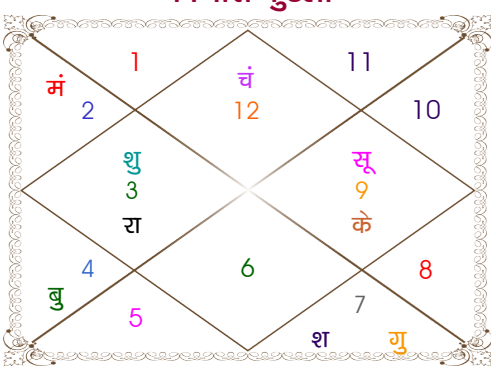

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 3 मास 28 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/06/1996		22/10/1997		23/10/2007		22/10/2014		22/10/2032	
22/10/1997		23/10/2007		22/10/2014		22/10/2032		22/10/2048	
	00/00/0000	चंद्र	22/08/1998	मंगल	20/03/2008	राहु	04/07/2017	गुरु	10/12/2034
	00/00/0000	मंगल	23/03/1999	राहु	07/04/2009	गुरु	28/11/2019	शनि	22/06/2037
	00/00/0000	राहु	21/09/2000	गुरु	14/03/2010	शनि	04/10/2022	बुध	28/09/2039
	00/00/0000	गुरु	21/01/2002	शनि	23/04/2011	बुध	22/04/2025	केतु	03/09/2040
	00/00/0000	शनि	23/08/2003	बुध	19/04/2012	केतु	11/05/2026	शुक्र	05/05/2043
	00/00/0000	बुध	21/01/2005	केतु	15/09/2012	शुक्र	11/05/2029	सूर्य	21/02/2044
	24/06/1996	केतु	22/08/2005	शुक्र	15/11/2013	सूर्य	04/04/2030	चंद्र	22/06/2045
केतु	22/10/1996	शुक्र	23/04/2007	सूर्य	23/03/2014	चंद्र	04/10/2031	मंगल	29/05/2046
शुक्र	22/10/1997	सूर्य	23/10/2007	चंद्र	22/10/2014	मंगल	22/10/2032	राहु	22/10/2048

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/10/2048		23/10/2067		22/10/2084		23/10/2091		24/10/2111	
23/10/2067		22/10/2084		23/10/2091		24/10/2111		00/00/0000	
शनि	26/10/2051	बुध	20/03/2070	केतु	20/03/2085	शुक्र	21/02/2095	सूर्य	10/02/2112
बुध	05/07/2054	केतु	17/03/2071	शुक्र	20/05/2086	सूर्य	21/02/2096	चंद्र	11/08/2112
केतु	14/08/2055	शुक्र	15/01/2074	सूर्य	25/09/2086	चंद्र	22/10/2097	मंगल	17/12/2112
शुक्र	13/10/2058	सूर्य	22/11/2074	चंद्र	26/04/2087	मंगल	22/12/2098	राहु	10/11/2113
सूर्य	25/09/2059	चंद्र	22/04/2076	मंगल	22/09/2087	राहु	23/12/2101	गुरु	29/08/2114
चंद्र	25/04/2061	मंगल	19/04/2077	राहु	10/10/2088	गुरु	23/08/2104	शनि	11/08/2115
मंगल	04/06/2062	राहु	07/11/2079	गुरु	16/09/2089	शनि	24/10/2107	बुध	17/06/2116
राहु	10/04/2065	गुरु	12/02/2082	शनि	25/10/2090	बुध	23/08/2110	केतु	25/06/2116
गुरु	23/10/2067	शनि	22/10/2084	बुध	23/10/2091	केतु	24/10/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 3 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।